भारत सरकार
खान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2907
दिनांक 06.08.2025 को उत्तर देने के लिए

राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन के उद्देश्य

2907. श्री शंकर लालवानीः
श्री अनुराग सिंह ठाकुरः
श्री भारत सिंह कुशवाहः

क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमएम) के प्रमुख उद्देश्य और लक्षित लक्ष्य क्या हैं;
(ख) एनसीएमएम के विभिन्न आवश्यक घटक क्या हैं; और
(ग) अन्वेषण कार्यक्रमों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए एनसीएमएम के तहत क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

कोयला और खान मंत्री
(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमएम) के उद्देश्य हैं:

i) घरेलू और विदेशी स्रोतों से खनिज उपलब्धता सुनिश्चित करके भारत की महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करना।
ii) खनिज गवेषण, खनन, सज्जीकरण, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण में नवाचार, कौशल विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी, विनियामक और वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाकर मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करना।

एनसीएमएम के अपेक्षित लक्ष्य इस प्रकार हैं:

प्रमुख शीर्ष	कुल **(**वर्ष **2024-25** से **2030-31)**
घरेलू महत्वपूर्ण खनिज गवेषण परियोजनाएं	1200
विदेशी महत्वपूर्ण खनिज खानें	50
पुनर्चक्रण के लिए प्रोत्साहन योजना - कुल पुनर्चक्रित सामग्री (किलोटन)	400
महत्वपूर्ण खनिज मूल्य श्रृंखला में पेटेंट	1000
कौशल विकास	10000
खनिज प्रसंस्करण पार्क	4
उत्कृष्टता केंद्र	3
खनिज भंडार (संचयी)	5

(ख) एनसीएमएम के घटक निम्नलिखित हैं :

i. घरेलू महत्वपूर्ण खनिजों का उत्पादन बढ़ाना
ii. विदेशों में महत्वपूर्ण खनिज परिसंपत्तियों का अधिग्रहण
iii. महत्वपूर्ण खनिजों का पुनर्चक्रण
iv. व्यापार और बाजार
v. महत्वपूर्ण खनिजों के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकीय उन्नति
vi. मानव संसाधन विकास
vii. प्रभावी वित्तपोषण, वित्त पोषण और राजकोषीय प्रोत्साहन विकसित करना

(ग) खान मंत्रालय सेमिनारों, बैठकों, रोड शो आदि के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय और निजी क्षेत्र के सहयोग को सक्रिय रूप से सुगम बना रहा है। मंत्रालय संबंधित देशों में महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में संभावित अवसरों की पहचान करने के लिए भारतीय दूतावासों के साथ नियमित समन्वय बनाए रखता है। खनिज संसाधन संपन्न देशों के साथ द्विपक्षीय सहयोग विकसित करने के उद्देश्य से, मंत्रालय ने ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, जाम्बिया, पेरू, ज़िम्बाब्वे, मोज़ाम्बिक, मलावी आदि जैसे कई देशों की सरकारों और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ द्विपक्षीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

विदेशों में खनिज परिसंपत्तियों के अधिग्रहण हेतु, खान मंत्रालय ने एक संयुक्त उद्यम कंपनी, खनिज बिदेश इंडिया लिमिटेड (काबिल) की स्थापना की है। काबिल ने अर्जेंटीना के कैटामार्का प्रांत के

सरकारी स्वामित्व वाले उद्यम, कैमयेन के साथ अर्जेंटीना में 15703 हेक्टेयर क्षेत्र में पांच लिथियम ब्राइन ब्लॉकों के गवेषण और खनन हेतु एक गवेषण एवं विकास समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

खान मंत्रालय महत्वपूर्ण खनिज मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए खनिज सुरक्षा साझेदारी (एमएसपी), भारत-अमेरिका सामरिक खनिज पुनर्प्राप्ति पहल, भारत-प्रशांत आर्थिक ढांचा (आईपीईएफ) और यूके-भारत प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल (टीएसआई) आदि जैसे विभिन्न बहुपक्षीय और द्विपक्षीय मंचों से भी जुड़ा है।

*****